

२६/५

आज यह पत्रावली जारी कर पत्र
 पेश करने पर पेशी में भी गंभीर वृत्ति
 ने पत्र पत्र इस माध्यम का पेश किया
 कि लोक न्यायालय की प्रेरणा से प्रतिक्रिया
 जय के साथ सजीवता हो गया। इन्हें
 वाद को धारण नहीं चलाया जाता है।
 अतः जारी के पत्र पत्र के अन्तर्गत पर
 हस्तगत वाद-जारी इन्हीं तर्कों पर खर्च
 किया जाता है पत्रावली निम्नानुसार दायित्व
 प्राप्त होकर तत्काल से कर है।

रखते हैं

(पवन कुमार)
 उपखण्ड अधिकारी
 अनूपगढ़

